हे शेरावाली अंबे माँ | By Mukesh Bagda |

हे शेरावाली अंबे माँ
तेरा दर्शन मन को भाता है
सबके संकट तुम हरती हो
जो द्वार तुम्हारे आता है

तेरे मंदिर आके भक्त तेरे
तेरी महिमा को माँ गाते हैं
मंदिर में आकर सेवक माँ
सोए हुए भाग्य जगाते हैं
और एक तुम्हारे आशीष से
और एक तुम्हारे आशीष से
भव पार, भव पार सदा हो जाता है
सबके संकट तुम हरती हो
जो द्वार तुम्हारे आता है
हे शेरावाली अंबे माँ ----------

भक्तों के मन में वास तेरा
तुम जगजननी कहलाती हो
जो मंदिर चढ़ कर आता है
उसको तुम दरस दिखाती हो
मेरी लाल चुनरिया वाली माँ
मेरी लाल चुनरिया वाली माँ
तेरा रूप, तेरा रूप मेरे मन भाता है
सबके संकट तुम हरती हो
जो द्वार तुम्हारे आता है
हे शेरावाली अंबे माँ ----------

नवरात्रों में तेरे मंदिर में
भक्तों का मेला लगता है
जाग्रता तेरा होता है
हर सेवक तुमको भजता है
तेरा पावन दर्शन पाने को
तेरा पावन दर्शन पाने को
संसर, संसार ये शीश नवाता है
सबके संकट तुम हरती हो
जो द्वार तुम्हारे आता है
हे शेरावाली अंबे माँ ----------

हे शेरावाली अंबे माँ
तेरा दर्शन मन को भाता है
सबके संकट तुम हरती हो
जो द्वार तुम्हारे आता है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a5%87-%e0%a4%b6%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a5%80-%e0%a4%85%e0%a4%82%e0%a4%ac%e0%a5%87-%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%81-by-mukesh-bagda/